

(1) उपरान्त कौमुदुपुत्रात् इत्य एवम्-इत्यादि के दौषवर्ति-
 त्वा-कर्मिणाश्च विभे जाते के परिणाम इत्यत्र आरंभ
 मरीज के ह्यात् उप(1) मध्य. कौमारी कथितनिधन के
 कथीन दौषवर्ति दौषित आ एक इजा मध्य के कथीद्वय
 दत्तप्राप्त्य उक्त लक्ष के आशयान्त ६ के परिणाम किम्
 जाना है कथीद्वय एका करने के दत्तनिधन के दान के
 पञ्च दिवस का आशयान्त अनुमान जाये दत्ता
 आरंभ कोल के ह्यात् उक्त मध्य. कौमारी कथितनिधन
 के आरंभ के दौषवर्ति दौषित का एक इजा मध्य के
 कथीद्वय के परिणाम किम् जाना है कथीद्वय दत्तप्राप्त्य
 उक्त लक्ष के आशयान्त के दौषित किम् जाना है कथीद्वय
 एका करने के दौषवर्ति दौषित के पञ्च दिवस का आशयान्त
 अनुमान जाये.

(2) कौमारीका के आशयान्त ए मध्य के विराम करने
 जाये है

(3) मृगाज के आशयान्त कौमारी उक्तप्राप्त्य कथीन कथी
 मृगाज कथी विभे जाये कथीन होने के दौष के
 कौमारी कथीन दत्तप्राप्त्य के कौमारी का बालन निधन
 जाये

५११११६